

त्यौं अव्य. (देश.) 1. उस प्रकार, उस तरह, वैसे 2. उसी वक्त, उसी समय, तत्क्षण, ओर, तरफ।

त्योरी स्त्री. (देश.) 1. चितवन 2. निगाह मुहा. त्योरी चढ़ाना- आँखे चढ़ाना, क्रोध करना; त्योरी में बल पड़ना- त्योरी चढ़ना।

त्योहार पु. (तत्.) पर्व का दिन, पर्व मुहा. त्योहार मनाना- उत्सव के दिन आमोद प्रमोद करना।

त्योहारी स्त्री. (देश.) वह धन जो त्योहार के उपलक्ष्य में दिया जाता है।

त्यौं क्रि.वि. (देश.) दे. त्यौं।

त्यौनार पु. (देश.) तरीका, ढंग।

त्यौराना अ.क्रि. (देश.) माथा घूमना, सिर में चक्कर आना।

त्यौहार पु. (देश.) दे. त्योहार।

त्यौहारी स्त्री. (देश.) दे. त्योहारी।

त्रंबक पु. (तद्.) दे. त्र्यंबक।

त्रंबक्क पु. (तद्.) दे. त्र्यंबक।

त्र वि. (तत्.) 1. रक्षक 2. तीन।

त्रण पु. (तद्.) दे. तीन।

त्रपा स्त्री. (तत्.) 1. लज्जा, शर्म, हया 2. कीर्ति, यश।

त्रपित वि. (देश.) 1. लज्जित 2. लज्जाशील 3. विनम्र।

त्रपु पु. (तत्.) 1. राँगा 2. सीसा।

त्रपुटी स्त्री. (तत्.) छोटी इलायची।

त्रपुल पु. (तत्.) राँगा।

त्रपुष पु. (तत्.) 1. राँगा 2. खीरा।

त्रपुषी स्त्री. (तत्.) खीरा, ककड़ी।

त्रप्सा स्त्री. (तत्.) जमा हुआ कफ़।

त्रप्स्य पु. (तत्.) मूला।

त्रय वि. (तत्.) 1. तीन 2. तीसरा।

त्रयदेव पु. (तत्.) त्रिदेव, ब्रह्मा-विष्णु-महेश।

त्रयी स्त्री. (तत्.) 1. तीन वस्तुओं का समूह जैसे- वेद त्रयी 2. ब्रह्मा, विष्णु, महेश 3. वह स्त्री जिसका पति और बच्चे जीवित हों।

त्रयीमय पु. (तत्.) 1. सूर्य, परमेश्वर।

त्रयोदश वि. (तत्.) तेरह, तेरहवाँ।

त्रयोदशी स्त्री. (तत्.) किसी पक्ष की तेरहवीं तिथि, तेरस।

त्रष्टा पु. (तत्.) दे. तष्टा।

त्रस पु. (तत्.) जैन धर्म के अनुसार जीवों का एक प्रकार, मनुष्य, पशु-पक्षी आदि।

त्रसन पु. (तत्.) 1. भय, डर 2. व्याकुलता।

त्रसर पु. (तत्.) तसर, जुलाहों का एक उपकरण, ढरकी।

त्रस रेणु पु. (तत्.) सूक्ष्म कण, धूल का एक सूक्ष्म कण जो छिद्र में आने वाले प्रकाश में दिखाई दे।

त्रसरैनि स्त्री. (तद्.) दे. त्रसरेणु।

त्रसाना स.क्रि. (देश.) डराना, भय दिखाना।

त्रसित वि. (तत्.) भयभीत, डरा हुआ।

त्रसुर वि. (तत्.) भीरु, डरपोक।

त्रस्त वि. (तत्.) डरा हुआ, भयभीत।

त्राटक पु. (तत्.) योग की एक क्रिया जिसमें किसी एक बिंदु पर दृष्टि रखते हैं।

त्राण पु. (तत्.) 1. रक्षा, बचाव 2. रक्षा का साधन, कवच प्रयो. शिरस्त्राण, पादत्राण।

त्राणक पु. (तत्.) रक्षक।

त्रात वि. (तत्.) बचाया हुआ, रक्षित।

त्रातव्य वि. (तत्.) रक्षा करने योग्य, बचाने योग्य।

त्राता पु. (तद्.) रक्षा करने वाला, रक्षक, बचाने वाला।